unemployed, they would not be attracted towards illegal activities, but they would rather spend their time in these legal activities, and will support themselves. Nearly 20,000 crores of rupees are given to the North-Eastern States for development, and the decision taken by this Government is to see that this amount of money which is given to these States, is not lapsable. Once given, it will remain with them. It is not necessary to mention this amount of money every year in the Budget. Now, this amount of money is given to them. And there also, what is being done? We are constructing national highways, we are constructing hydel power plants, we are constructing many other such things which will ultimately help us. In the naxal-affected States also, we are giving a lot of money to the State Governments to see that this amount of money is given district-wise and not State-wise. If some districts are affected, money is given for developing the infrastructure, which is required. The roads, schools, hospitals and such things are developed by the State Government, and that is over and above what is given to them for the developmental activities in the state through the Plan and through the Annual Budget they are providing themselves. So, this is the approach we are adopting. The approach is not to solve the problem with force alone. The approach is to see that economic development is there, and through economic development, the employment is provided. If the people are unemployed, they take to any kind of method to earn money, and that contributes towards terrorism in the country. That is not our approach.

As regards social justice, there are schemes started by the Government of India, like the Employment Guarantee Scheme...(*Interruptions*)...

Re: **Bomb scare in Parliament House Annexe**

SHRI S.S. AHLUWALIA (Jharkhand): Sir, I am on a point of information. There is a threat and the entire PHA building is cordoned off by the police and all the gates are closed. I would like to know whether the Home Minister is aware of what they have got, why they have closed all these gates.

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI SHIVRAJ V. PATIL): Now, you have to ask the Parliamentary Affairs Minister.

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: वहां bomb squad सब कुछ बुलाया गया है, पूरे देश में एक पैनिक हो गया कि पार्लियामेंट में बम मिला है। टी॰ वी॰ में दिखाया जा रहा है। You are discussing the internal security. Can you inform the House as to what has happened?

SHRI SHIVRAJ V. PATIL: Ahluwaliaji, please don't distrub.

SHRI S.S. AHLUWALIA: You are the Home Minister. You should be aware of this thing.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You are giving some information. The Minister is replying here.

श्री एस.एस. अहलुवालिया: Reply ठीक है, But the point is, when it is happening, you see all the gates of the Parliament House Annexe building are closed.

एक माननीय सदस्य: थैला फेंका था।

श्री एस.एस. अहलुवालिया: थैला क्या फेंका था? किसलिए, क्या बात है, बता दें सदन को। पूरे राष्ट्र में मैसेज जा रहा है टी.वी. के थ्रू और फोन पर फोन आ रहे हैं कि क्या हो गया है? अगर आप अभी बता दें कि कुछ नहीं मिला है, तो कम से कम टी.वी. पर मैसेज तो चला जाएगा कि कुछ नहीं है, शांति है।

श्री शिवराज वी. पाटिल: अहलुवालिया जी... अहलुवालिया जी ...(व्यवधान)...

श्री एस.एस. अहलुवालिया : चारों तरफ से गेट बंद हो गए हैं।

श्री शिवराज वी. पाटिल: आप सुन तो लीजिए, आप बोलते ही रहेंगे, तो फिर कैसे होगा?

पार्लियामेंटरी सिक्योरिटी होम मिनिस्ट्री के पास नहीं है, पार्लियामेंट की सिक्योरिटी पार्लियामेंट के सिक्योरिटी के पास ही है। स्पीकर साहब, चेयरमैन साहब और सिक्योरिटी ...(व्यवधान)...

श्री एस.एस. अहलुवालिया: तो यह तो नई बात है। Then I am asking the Speaker, I am asking the Chairman. You please inform the House whether this Parliament building is safe or not when the adjacent PHA building has been cordoned off...*(Interruptions)*...

श्री शिवराज वी. पाटिल: अगर वह सेफ नहीं होती, तो आपको कैसे पता चलता?

...(व्यवधान)... I cannot send the police.

श्री एस.एस. अहलुवालिया: आपने तो यह कहकर सीधे ही पल्ला झाड़ दिया कि यह सिक्योरिटी आपके अंडर में नहीं है। तो मैं चेयर से पूछता हूं, वे बताएं क्या उन्हें पता है? ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: अभी किसी को पता नहीं है।... (व्यवधान)...

श्री एस.एस. अहलुवालिया: पूरी दुनिया को पता लग गया है, आपको नहीं पता है तो मैं क्या करुं? ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: हम यहां बैठे हैं, यहां तो...(व्यवधान)...

श्री एस.एस. अहलुवालिया: पार्लियामेंट हाउस अनेक्सी ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: नहीं, नहीं, हम हाउस में प्रोसीडिंग चला रहे हैं, You have given the information. Now that we are running the House, we ill find out.

SHRI S.S. AHLUWALIA: It is the Parliament House Annexe building, the adjacent premises. Let us discuss this issue...(*Interruptions*)...

श्री उपसभापति: आप बैठ जाएं।...(व्यवधान)...

श्री शान्ताराम लक्ष्मण नायक (गोवा): सर, कल वहां राष्ट्रपति जी आ रहे हैं। मॉर्निंग में।

श्री एस.एस. अहलुवालिया: अरे, आप क्या उलटा-पुलटा बोल देते हैं? * क्या बोलते हैं?

Dogs are barking. you are saying that वहां पर कुत्ते भौंक रहे हैं और बैग को चैक किया, Why are you taking it lightly? Your Home Minister says, "I don't have the responsibility of security of Parliament!" and the Chair says... (*Interruptions*)...

मौलाना ओबैदुल्लाह खान आजमी (मध्य प्रदेश): सर, यह कह रहे हैं कि आप *बोल रहे हैं ।' इसको रिकार्ड से निकाल दीजिए।...(व्यवधान)...

†[**مولانا عبید اللہ خان اعظمی** : سر، یہ کہہ رہے ہیں کہ آپ *بول رہے ہیں۔ اس کو ریکارڈ سے نکال دیجئے۔مداخلت۔]

श्री उपसभापति: वह word रिकार्ड से निकाल देंगे।...(व्यवधान)...

---

*Expunged as ordered by the Chair.

†[ ]Transliteration in Urdu Script.

मौलाना ओबैदुल्लाह खान आजमी: ये कह रहे हैं कि आप* क्या बोलते हैं?...(**व्यवधान**)...

†[مولانا عبید اللہ خان اعظمی : یہ کہہ رہے ہیں کہ آپ * کیا بولتے ہیں۔مداخلت۔]

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: और क्या बोलूं, और क्या बोलूं? ...(**व्यवधान**)... आप बैठिए, यह आपकी समझ से बाहर की चीज है। ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: अहलुवालिया जी, यह सब छोड़िए। ...(**व्यवधान**)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: होम मिनिस्टर साहब इन्टरनल सिक्युरिटी पर जवाब देते हुए यह कहते हैं कि पार्लियामेंट की सुरक्षा मेरे हाथ में नहीं है, यह सदन के पदासीन अधिकारी के हाथ में है। ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: यह हकीकत है। ...(**व्यवधान**)...

श्री शिवराज वी॰ पाटिल: मैं क्या गलत बोल रहा हूं? ...(**व्यवधान**)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: तो कृपया आप बताएं कि हमारा सदन सुरक्षित है या नहीं है, यह बताइए।

SHRI SHIVRAJ V. PATIL: As a Speaker, I did not allow the Home Minister to come into the Parliament premises. ...*(Interruptions)*... And as a Home Minister I am not allowed to come into the House without their permission ...*(Interruptions)*...

श्री जयन्ती लाल बरोट (गुजरात): माननीय उपसभापति महोदय को यह मालूम है या नहीं? ...(**व्यवधान**)...

SHRI S.S. AHLUWALIA: Sir, you are taking it lightly. ...*(Interruptions)*... You are taking it lightly.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, no, no.

SHRI S.S. AHLUWALIA: Sir, my submission is simple.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: We have sent the Additional Secretary to find out as to what has happened exactly. As soon as I get the information, I will inform the House.

---

*Expunged as ordered by the Chair.

†[ ]Transliteration in Urdu Script.

SHRI S.S. AHLUWALIA: Sir, if you give the correct information, at least the telecast on TV will be stopped ...*(Interruptions)*... Because the whole nation, the whole world is getting this information that there is a bag containing explosives in the PHA, it is giving a wrong message to the world. You must stop it. ...*(Interruptions)*... You must stop it. How you can stop it, you know it better. ...*(Interruptions)*...

श्री उपसभापति: आप क्या बोल रहे हैं? ...(**व्यवधान**)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: आप इसको लाइटली ले रहे हैं। ...(**व्यवधान**)... मैं कह रहा हूं कि ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: आप बाहर से आए हैं, आपने इन्फोर्मेशन दी है। ...(**व्यवधान**)... यहां हाउस चल रहा है ...(**व्यवधान**)... We don't have TV here.

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: आपके परिवार के सदस्य का क्या हाल होगा? ...(**व्यवधान**)... आपके समर्थकों का क्या हाल है? ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: अरे, यह क्या बात है? ...(**व्यवधान**)...

श्री अमर सिंह (उत्तर प्रदेश): सर, मेरी पत्नी ने यहां आने से रोक दिया कि पार्लियामेंट में मत जाओ, वहां बम है। ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: आप भी बाहर से आए हैं। ...(**व्यवधान**)... यहां हाउस चल रहा है। ...(**व्यवधान**)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: मैं इसीलिए तो बता रहा हूं। ...(**व्यवधान**)...

श्री विजय कुमार रूपाणी (गुजरात): सर, हमको पता नहीं है, होम मिनिस्टर साहब को पता नहीं है, बता दीजिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: आप भी यहां बैठे हैं, हम भी यहां बैठे हैं। ...(**व्यवधान**)... हम भी बैठे हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: आप इसको लाइटली ले रहे हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: नहीं, अहलुवालिया जी, आप तो बोलते ही जा रहे हैं। ...(**व्यवधान**)... हम लाइटली कैसे ले रहे हैं। अभी एडिशनल सेक्रेटरी साहब को भेजा है। ...(**व्यवधान**)...

श्री अमर सिंह: सर, मेरे घर से मेरे मोबाइल पर फोन आया। पूरा देश डर रहा है और हवा में एक तरह से दहशत हो गई है। ...(**व्यवधान**)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: मैं बता रहा हूं, टी.वी. पर नजर रखे हुए हैं। ...(व्यवधान)...

श्री शिवराज वी. पाटिल: आप भी मत डरिएगा। ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I don't see if the intention is ...*(Interruptions)*... यह तो serious बात है। we will find out. ...*(Interruptions)*... अब यह क्या बात हुई, हम यहां बैठे हैं, पूरी Information gadgets नहीं है ...*(Interruptions)*...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: सुबह भी कहा कि हम बंगाल के बारे में information नहीं दे सकते। ...(व्यवधान)... अब पार्लियामेंट के बारे में इन्फॉर्मेशन नहीं दे सकते, तो काहे की सरकार है? ...(व्यवधान)...

THE MINISTER OF OVERSEAS INDIAN AFFAIRS (SHRI VAYALAR RAVI): This is not correct, Sir, If something happens somewhere, why do we adjourn the House? Lok Sabha is going on ...*(Interruptions)*...

SHRI S.S. AHLUWALIA: You must get the information.

SHRI SHIVRAJ V. PATIL: We are sitting here. How will we get the information? ...*(Interruptions)*...

SHRI S.S. AHLUWALIA: You must get the information.

श्री उपसभापति: आप जैसा answer चाहते हैं, वैसा answer नहीं मिल सकेगा, तो जो उनका कहना है कि यह जो पार्लियामेंट की सिक्युरिटी है, यह पार्लियामेंट के हाथ में है, वह स्टेटस रिपोर्ट देखेंगे। आपने मुझसे सवाल किया है कि क्या आपको मालूम है? हमने अभी एडिशनल सेक्रेटरी को भेजा है। As soon as I get the information, I will immediately inform the House.

SHRI S.S. AHLUWALIA: Please get the information.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I have sent the Additional Secretary for finding out.

SHRI S.S. AHLUWALIA: My submission and my concern is only this much.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Definitely. We appreciate it. आप बाहर से आए हैं। You have informed us. ...*(Interruptions)*...

श्री मंगनी लाल मंडल (बिहार): सर, ये अनावश्यक विवाद कर रहे हैं। ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: आप छोड़िए, उन्होंने हाउस को एक information दी है। ...(व्यवधान)...

श्री मंगनी लाल मंडल : यह सही नहीं है। ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: मंडल जी, आप बैठिए। अब इसके ऊपर और बहस नहीं होगी। ...(व्यवधान)... नायक साहब, आप बैठिए। ...(व्यवधान)... कुछ नहीं होगा, आप बैठिए। ...(व्यवधान)... You are right. You have given the information. We are finding out.

SHRI S.S. AHLUWALIA: Sir, my concern is only this much. ...*(Interruptions)*... too breaking news on all the TV channels.....

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Fine.

SHRI S.S. AHLUWALIA: .....giving this information. Worldwide, the people are watching this.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: But we are conducting the proceedings. Through the House you know.

SHRI S.S. AHLUWALIA: Through the House you inform.....

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I will just now find inform.

SHRI S.S. AHLUWALIA: .....*whether the building is safe so that* they can telecast it.; there is no problem.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Yes.

SHRI S.S. AHLUWALIA: That is my point, Sir. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: From the House I will announce as soon as I get the information.

SHRI S.S. AHLUWALIA: Sir, they are saying, "No, no; यहां इन्टरनल सिक्युरिटी पर भाषण हो रहा है इसलिए यह मुद्दा नहीं उठाया जा सकता। ...(व्यवधान)...

श्री मंगली लाल मंडल: सर, ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: नहीं, नहीं आप बैठिए। ...(व्यवधान)...

मिस्टर नायक आप बैठिए। ...(व्यवधान)... I am not allowing you. ...*(Interruptions)*...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: आपकी समझ से बाहर है। ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: आप बैठिए, मंडल जी, बैठिए। ...(व्यवधान)... आनरेबल मिनिस्टर। ...(व्यवधान)... मंडल आप बैठिए। ...(व्यवधान)... आप बाद में बात करें। ...(व्यवधान)...

Don't go on arguing like this. ...(*Interruptions*)... Please continue, Mr. Patil.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: As soon as I get the information, I will give you. The Additional Secretary has gone to find out. ...(*Interruptions*)...

SHRI SHIVRAJ PATIL: Sir, hon. Members are bold enough and the Secretariat of the Parliament is responsible enough. If there were anything which really could have been taken care of, we would have been informed. ...(*Interruptions*)...

SHRI S.S. AHLUWALIA: Nobody is suspecting the ability of the people.

श्री उपसभापति: ओ॰ के॰। ठीक है। ...(व्यवधान)..

SHRI S.S. AHLUWALIA: Only the message, the breaking news, is going on. (*Interruptions*)... You must stop that. (*Interruptions*)... You must stop that. (*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: How can he do that? (*Interruptions*)...

SHRI C. RAMACHANDRAIAH (Andhra Pradesh): Sir, there should be some control on the electronic media. Without ascertaining the facts, they go public. (*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: We will discuss that later. (*Interruptions*)...

SHRI S.S. AHLUWALIA: God knows the truth. (*Interruptions*)... God knows the truth. (*Interruptions*)...

SHRI AMAR SINGH (Uttar Pradesh): Sir, I agree with Mr. Ramachandraiah that there should be some control on the irresponsible electronic media. They spread such sensational things. (*Interruptions*)...

SHRI S.S. AHLUWALIA: You must know the truth, whether it is sensational or true. (*Interruptions*)...

श्री शिवराज वी॰ पाटिल: वह बता देंगे। ...(व्यवधान)...

SHRI AMAR SINGH: This is sensational. (*Interruptions*)...

SHRMATI BRINDA KARAT (West Bengal): Sir, anything which agitates Ahluwaliaji (*Interruptions*)...

SHRI SHIVRAJ V. PATIL: I am sorry that Mr. Ahluwalia is thinking that something dangerous is going to happen. I don't think that anything is going to happen. If it were there, they would have certainly told us. Let us have confidence in ourselves. (*Interruptions*)...

SHRI S.S. AHLUWALIA: It is not my apprehension. (*Interruptions*)... I am the last person to leave the House. (*Interruptions*)...

SHRI SHIVRAJ V. PATIL: Now, you tell me at what intervals are you going to the TV? (*Interruptions*)...

श्री उपसभापति: आप छोड़िए ...(व्यवधान)... बता देंगे ...(व्यवधान)...

SHRI SHIVRAJ V. PATIL: I don't remember on which point I was speaking. He had succeeded (*Interruptions*)...

SHRI EKANATH K. THAKUR (Maharashtra): The point is that the common citizen is feeling insecure. (*Interruptions*)... When the Parliament is feeling insecure ...(*Interruptions*)... eveyone is insecure. (*Interruptions*)...

SHRI VAYALAR RAVI: Sir, it is your responsibility to inform the Members of Parliament. You have already taken note of it. (*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I have already taken note of it.

SHRI SHIVRAJ V. PATIL: We are all sitting here. If there is any information, we will take care of it. We all will take care of it. The Secretary-General is sitting here. You are sitting here. I am sitting here. How do we get the information? If there were anything dangerous... (*Interruptions*)... they would have informed us.

Sir, I was trying to say that the hon. Members very validly suggested not to depend on forces alone, to reduce the disparity in economic development in different parts of the country, to provide means of income

to all the people in the country and to reduce the unemployment to the extent possible. I totally agree with this kind of approach.

The third point which we have to consider is that yesterday some hon. Members said, on the floor of the House, "Let us not all the time depend on forces. We can ourselves also contribute". I agree with them that individuals can contribute.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: It was a routine security drill. There is no danger. ...(*Interruptions*)... It is a routine security drill. ...(*Interruptions*)...

SHRI PENUMALLI MADHU: It is a mole. ...(*Interruptions*)... What is this? ...(*Interruptions*)... It is a mole. ...(*Interruptions*)... You have wasted two hours. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Madhu, please. ...(*Interruptions*)...

SHRI S.S. AHLUWALIA: It is more serious. ...(*Interruptions*)... It is more serious. *(Interruptions)*... If it is a routine drill and if it is shown as a breaking news to the entire nation, it is more serious. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: We will find out. ...(*Interruptions*)...

SHRI S.S. AHLUWALIA: If it is a routine drill, it cannot be a breaking news. ...(*Interruptions*)... It can't be. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Ahluwalia, he has found out. I am making this statement, after the Additional Secretary went and made an enquiry.

SHRI S.S. AHLUWALIA: Sir, please direct the Secretary-General or the Security of Parliament to hold a Press Conference and announce that it was a routine security drill; otherwise, the people will be on tenterhooks till night. They will be very much worried. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: This is the announcement from the Chair. The whole nation is watching it. It has been confirmed that it was a routine security drill which was going on. Then some electronic media might have sensationalised it. We will find out why it has happened. ...(*Interruptions*)...

SHRI S.S. AHLUWALIA: No Sir. ...(*Interruptions*)... This is the responsibility of Parliament to inform the Press.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: We will find it out. Definitely, we will take action.

SHRI S.S. AHLUWALIA: How has it happned?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: We will take action. We will see how it has happened.

SHRI SHIVRAJ V. PATIL: Sir, it is also the responsibility of the hon. Members not to raise any point without verifying whether it is correct or not. ...(*Interruptions*)...

SHRI S.S. AHLUWALIA: Sir, when it is on the media. ...(*Interruptions*)...

SHRI C. RAMACHANDRAIAH: Can't we believe newspapers? Can't we believe T.V.? Whom should we believe? ...(*Interruptions*)...

श्री विजय कुमार रूपाणी (गुजरात): ऐसी बात नहीं है ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: We have taken action. Mr. Ramachandrariah, please sit down. Mr. Ahluwalia, it has been informed that the Director, Security will be announcing it on the media that it was a routine security drill and that the breaking news was wrong. This will be done.

SHRI S.S. AHLUWALIA: Sir, the Home Minister says that the hon. Members should verify it ...(*Interruptions*)...

श्री विजय कुमार रूपाणी: मैंम्बर कहां से verify करेंगे ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Ramachandraiah, there should be some limit. (*Interruptions*). You go on saying anything and you don't want to listen to others. (*Interruptions*)...

SHRI SHIVRAJ V. PATIL: You should apologise to the House for this wrong news. (*Interruptions*).

MR. DEPUTY CHAIRMAN: ये क्या करेंगे ...(व्यवधान)... यह क्या बात है ...(व्यवधान)... हर छोटी-छोटी चीज़ पर ये क्या करेंगे ...(व्यवधान)... What is that he has said? (*Interruptions*). He has said, "Every member should be responsible". आप क्या करते हैं ...(व्यवधान)... आप क्या करना चाहते हैं ...(व्यवधान) ... आप कुछ भी करें ...(व्यवधान)... उनके ऊपर मेरा कंट्रोल है क्या ...(व्यवधान)... क्या

बोले ...(व्यवधान)... He has said that before announcing anything the hon. Member should verify ...(*Interruptions*). उसमें मैं क्या करता ...(व्यवधान)... What can I do? अब routine security drill क्यों होती है, हम सब जानते हैं ...(व्यवधान)... अगर security नहीं होगी ...(व्यवधान)... मुझे मालूम नहीं है ...(व्यवधान)... इतनी छोटी-छोटी बात के लिए आप वेल में आ जाते हैं ...(व्यवधान)... हर चीज़ के लिए वेल में आ जाते हैं ...(व्यवधान)... तमाशा हो गया है ...(व्यवधान)... छोटी-छोटी चीज़ के लिए आप वेल में आ जाते हैं ...(व्यवधान)... What is this? For small things, you come to the Well of the House. I am sorry. I appeal to you to please go back to your seats. *(Interruptions)*. रूल्स के हिसाब से आप अधिकार ले सकते हैं। ...(व्यवधान)... यहां आने का अधिकार है ...(व्यवधान)... आप बोलिए? नहीं है, आप रूल बुक बता दीजिए। ...(व्यवधान)... वह अलग बात है। आप को यहां आने का अधिकार है? नहीं है ...(व्यवधान)... No, यहां नहीं वहां। आप की सीट वहां है। ...(व्यवधान)... I am sorry...*(Interruptions)* वैरीफाइ मैंने कराया ...(व्यवधान)... मुझे कैसे मालूम होगा, हमें information कैसे आएगी? ...(व्यवधान)...

DR. MURLI MANOHAR JOSHI (Uttar Pradesh): Sir, who is responsible for the security of Parliament? if it is not the responsibility of the hon. Home Minister, then, who is responsible?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: It is the Speaker...

DR. MURLI MANOHAR JOSHI: It is either the Speaker or the Vice President; there has to be responsibility somewhere. Is it possible to inform the House?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I have informed ...*(Interruptions)*...

DR. MURLI MANOHAR JOSHI: If it is a routine drill, then, the security staff must have informed you that they are going to do it ...*(Interruptions)*

श्री उपसभापति: जोशी जी, जरा सुनिए। आप calm हो जाइए, प्लीज अहलुवालिया जी ...(व्यवधान)... मैं आप को नहीं कह रहा हूं। आप आइए, अहलुवालिया जी। Nothing is going on record ...*(Interruptions)*... Nothing is going on record ....*(Intertuptions)*... *आप रिकॉर्ड देख लीजिए।* ...(व्यवधान)... The House is adjourned for half-an-hour.

The House then adjourned at fifty-four minutes past two of the clock.

The House re-assembed at twenty four minutes past three of the clock, MR. DEPUTY CHAIRMAN in the Chair.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The House is adjourned for ten minutes.

The House then adjourned at twenty-five minutes past three of the clock.

The House reassembled at thirty-five minutes past three of the clock.

MR. DEPUTY CHAIRMAN in the Chair.

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: माननीय उपसभापति महोदय, सदन की कार्यवाही स्थगित होने से पहले हमें इलैक्ट्रॉनिक मीडिया से जो खबर मिली थी, उससे सारा देश आतंकित और अचम्भित हो गया था। यहां आते समय पार्लियामैंट हाउस एनैक्सी में जब मैंने वह अवस्था देखी कि चारों तरफ से पुलिस ने घेर रखा है और जब मैंने सदन में आ कर देखा तो माननीय गृह मंत्री महोदय आंतरिक सुरक्षा के संबंध में जवाब दे रहे हैं। मैंने समझा कि इनसे हमें सही जवाब मिल जाएगा और इसीलिए मैंने यह प्रश्न सदन के सामने रखा, लेकिन सदन में उस चीज का जवाब आने में जो देरी हुई और उससे जो तिक्तता पैदा हुई, मैं वह तिक्तता नहीं चाहता और न कभी मेरी मंशा ऐसी है कि सदन में ऐसी तिक्तता आए। अगर समय पर सही इन्फॉर्मेशन मिल जाती तो शायद हम इसे भी टाल सकते थे। किसी के प्रति अपमान करने की मेरी भावना कभी नहीं रही है। न कभी आपका, न सैक्रिटेरिएट का और न ही कभी माननीय मंत्री जी का अपमान करने की भावना मेरे दिल में रही है और न ही रहेगी। पिछले बीस वर्षों से मैं इसी संसद में सांसद रहा हूं और अपने तरीके से चलता हूं ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: हां, यह बात सही है।

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: हर व्यक्ति का प्रश्न पूछने का तरीका अलग-अलग होता है। पत्रकार बंधुओं ने मुझसे कई बार सवाल पूछा कि अहलुवालिया जी आप ऊंचा क्यों बोलते हैं, मैंने कहा कि इसके लिए मुझे दोष देने से कोई फायदा नहीं है, मेरे मां-बाप अब नहीं रहे। अगर दोष देना है तो उन्हीं को देना था, क्योंकि मुझे उन्होंने कभी-भी डालडा नहीं खिलाया, इसलिए मैं क्या कर सकता हूं ...(व्यवधान)।

आज मेरी कोई मंशा ऐसी नहीं थी कि मैं किसी की भावना को कोई ठेस पहुंचाऊं। चूंकि यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मसला था, इसलिए मैंने यह सदन के सामने रखा। इस सारी बहस के ऊपर से तिक्तता की भावना खत्म हो जाने के बावजूद भी मैं सदन से एक गुज़ारिश जरूर करूंगा कि

आइन्दा से कृपा करके इलैक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से ब्रेकिंग न्यूज़ में इस तरह की खबरें न आएं। सारे विश्व को पता लग गया कि यहां पर बम का भरा हुआ थैला मिला है, वास्तव में जो नहीं मिला है। धन्यवाद।

श्री शिवराज वी॰ पाटिल: श्रीमन, अहलुवालिया जी ने जो कुछ कहा है, उसके पश्चात् मुझे ऐसा लगता है कि मुझे भी कुछ कहना चाहिए, मैं आपकी इजाज़त से वह कहना चाहूंगा। मैंने और अहलुवालिया जी ने काफी समय तक साथ-साथ काम किया है, हम एक-दूसरे के स्वभाव को जानते हैं। कोई व्यक्ति ऊंची आवाज़ में बोलता है, लेकिन उसका दिल बहुत नर्म होता है, दूसरी तरफ कोई व्यक्ति कुछ भी नहीं बोलता है, लेकिन अपना दिल मजबूत रखता है। उन्होंने जो कुछ भी कहा, वह वातावरण अच्छा बनाने की दृष्टि से कहा, व्यक्तिगत संबंधों की दृष्टि से कहा है, इसके लिए मैं आदर की भावना रखता हूं और उन्हें आश्वस्त करना चाहता हूं कि हमारे संबंध एक-दूसरे के प्रति दोस्ती के ही रहेंगे। वैसे तो मैं नहीं समझता कि मैंने कुछ ऐसा कहा होगा जिससे आपके दिल को चोट लगी हो, लेकिन इसके बावजूद भी यदि आपको ऐसा लगा है तो मैं आपसे विनती करूंगा कि आप उसे भूल जाएं, हम लोग एक-दूसरे के साथ अच्छी तरह से काम करेंगे।

श्रीमती वृंदा कारत (पश्चिम बंगाल): सर, यहां पर स्कूल के बच्चे भी बैठे हुए हैं, उन्होंने भी देखा होगा कि किस तरह बड़े लोग एक-दूसरे के साथ लड़ते हैं।

श्री उपसभापति: जी हां, उन्होंने भी देखा होगा और सीखा होगा ...(**व्यवधान**)... होम मिनिस्टर साहब आप रिप्लाई कंटीन्यू कीजिए ...(**व्यवधान**)

श्री उपसभापति: आप कंटीन्यू करें।

श्री प्यारे लाल खंडेलवाल (मध्य प्रदेश): वहां कनाट प्लेस में बम मिला है।

श्री उपसभापति: ठीक है, उसे बाद में देखेंगे।

SHORT DURATION DISCUSSION

The Internal Security Scenario In The Country—*Contd.*

श्री शिवराज वी॰ पाटिल: श्रीमन, होता ऐसा है कि हम लोगों ने जम्मू एंड कश्मीर, नॉर्थ ईस्टर्न स्टेट्स में, नक्सलाइट स्टेट में भी देखकर वहां की माली हालत सुधारने का प्रयास किया है, वह आगे चलकर भी हम प्रयास करते रहेंगे और उसमें कोई अंतर नहीं आने देंगे। तीसरी बात यह है कि किस प्रकार से इस बात को सुलझाना चाहिए। बातचीत के माध्यम से सुलझाना चाहिए तो हम बातचीत के माध्यम से भी सुलझाने का प्रयास जरूर करते रहेंगे। इस सदन में और दूसरे सदन में भी यह बताया गया था कि उल्फा के साथ बातचीत करनी चाहिए। सरकार